DOON PUBLIC SCHOOL

प्रिय विद्यार्थियों
महत्वपूर्ण दिशानिर्देश:
समर वेकेशन का दौर है। यह विश्राम, आनंद और शिक्षाविदों से जुड़े रहने का समय है। यह हिन्दी विषय के लिए आपका अवकाश गृहकार्य है जिसे आपको अपने कॉपी (नोटबुक) में पूरा करना होगा।

सबसे पहले अपने दम पर होमवर्क करने की कोशिश करें और फिर अपने काम को जांचने के लिए दी गई उत्तर कुंजी की मदद लें।

आवश्यक निर्देश :
यह कार्य ग्रीष्मावकाश –गृहकार्य है ।
दिए गए कार्य को अपनी कार्यपत्रिका (worksheet) में लिखें ।
1. दिए गए वर्णों को सुंदर एवं स्पष्ट लिखें ।
2. अक्षरों की बनावट पर विशेष ध्यान दें ।
3. उचित पंक्तियों में ही लिखें ।
4. वर्णों के सही उच्चारण का अभ्यास करें ।
5. प्रतिदिन वांचन एवं लेखन का अभ्यास करें ।

❖ **सर्वप्रथम कार्यपत्रिका के अभ्यास कार्य से हम प्रारंभ करेंगे ।**

Class: III

Subject: Hindi (PART 1)

Unit Test 1

वर्णमाला

1. भाषा की सबसे छोटी इकाई को वर्ण कहते हैं | इसके और टुकड़े नहीं हो सकते |

2. वर्ण दो प्रकार के होते हैं :- स्वर और व्यंजन

3. हिंदी भाषा में 11 स्वर और 33 व्यंजन होते हैं |

प्रश्न 1. वर्णों को सही क्रम में लिखिए |

1. गिहलरी गिलहरी
2. ईमिठा मिठाई
3. हारत्यो त्योहार
4. रदसुं सुंदर
5. क्षशिक शिक्षक
6. गहज जगह
7. द्यावियल विद्यालय
8. लबाक बालक
9. आशका आकाश
10. लकोय कोयल

प्रश्न 2. वर्णों को मिलाकर शब्द बनाएँ |

1. प् + अ + श् + उ पशु
2. भ् + आ + र् + अ + त् + अ भारत
3. ख् + इ + ल् + आ + ड़् + ई खिलाड़ी
4. भ् + ऊ + म् + इ भूमि

5. न् +अ + द्+ ई — नदी

6. ल् + अ + ड़ + अ + क् + ई — लड़की

7. औ + र् + अ + त् + अ — औरत

8. ख् + ए + ल् + अ — खेल

9. च् + ऊ + ह् + आ — चूहा

10. क् + ऋ + ष् + ण् + आ — कृष्णा

प्रश्न 3. समान तुक वाले शब्द लिखो ।

1. मन — धन — जन

2. काम — धाम — शाम

3. कल — पल — नल

4. आओ — खाओ — लाओ

5. बाज — नाज — राज

6. मेला — केला — ठेला

7. आना — जाना — नाना

8. रमन — दमन — चमन

9. सोम — सोम — ओम

10. दिशा — निशा — मिशा

अनेकार्थी शब्द

परिभाषा - जिन शब्दों के अनेक अर्थ होते हैं, उन्हें अनेकार्थक शब्द कहते हैं | इनका दूसरा नाम 'भिन्नार्थक' भी है |

प्रश्न 1. दिए गए शब्दों में से जो अनेकार्थी शब्द का अर्थ नहीं है, उस पर गलत (X) का निशान लगाएँ |

1.	अंक	गोद	योग	अध्याय
2.	अंबर	सोना	आकाश	कपड़ा
3.	मत	वोट	नहीं	मठ
4.	डाल	शाखा	डिब्बा	डालना
5.	आम	साधारण	फल	हरा
6.	तीर	बाण	तारा	किनारा
7.	पर	पंख	मोर	लेकिन
8.	चोटी	लोहा	शिखर	बेनी
9.	कृष्ण	वासुदेव	माता	काला
10.	पत्र	पोहा	पत्ता	चिट्ठी
11.	अर्थ	कारण	सोना	धन
12.	मधु	नींबू	अमृत	शहद

प्रश्न 2. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के उचित अर्थ पर सही (√) का निशान लगाएँ ।

1. मैं <u>कल</u> घूमने जाऊँगा । (मशीन / आने वाला कल)

2. रमण <u>कल</u> ठीक करने का काम करता है ।(मशीन/आने वाला कल)

3. परीक्षा में मेरे अच्छे <u>अंक</u> आए । (संख्या / गोद)

4. माँ ने बच्चे को <u>अंक</u> में लिया । (संख्या / गोद)

5. तोता का <u>वर्ण</u> हरा होता है । (रंग / अक्षर)

6. <u>वर्ण</u> मिलकर वर्णमाला बनाते हैं । (रंग / अक्षर)

7. माँ ने फूलों का <u>हार</u> बनाया । (हार जाना / माला)

8. अंग्रेज भारत से <u>हार</u> गए। (हार जाना / माला)

9. मैं <u>सोने</u> जा रहा हूँ । (एक धातु / नींद में सोना)

10. माँ ने <u>सोने</u> का कंगन बनवाया । (एक धातु / नींद में सोना)

11. मैंने लाल रंग की <u>पतंग</u> खरीदी । (एक खेल / कीड़ा)

12. बरसात में अनेक कीट-<u>पतंग</u> आ जाते हैं ।(एक खेल / कीड़ा)

लिंग

परिभाषा-स्त्री या पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्दों को लिंग कहते हैं।

लिंग दो प्रकार के होते हैं :-

1. पुल्लिंग - पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्दों को पुल्लिंग कहते हैं

2. स्त्रीलिंग - स्त्री जाति का बोध करने वाले शब्दों को स्त्रीलिंग कहते हैं।

प्रश्न 1. दिए गए शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए।

1. अध्यापक	अध्यापिका	8. चिड़ा	चिड़िया
2. लेखिका	लेखक	9. गायक	गायिका
3. मामा	मामी	10. हाथी	हथिनी
4. बालक	बालिका	11. राजा	रानी
5. पुत्री	पुत्र	12. शेर	शेरनी
6. मोर	मोरनी	13. बैल	गाय
7. लड़का	लड़की	14. बादशाह	बेगम

प्रश्न 2. नीचे दिए गए वर्ग में भिन्न लिंग वाले शब्द पर गोला लगाएँ।

1.	आरती	(रमन)	दीक्षा	कामना
2.	मछली	(हाथी)	गाय	चिड़िया
3.	पुस्तक	पेंसिल	माला	(दरवाजा)
4.	हीरा	मोती	सोना	(लकड़ी)

5.	खिड़की	लड़की	(पेड़)	सड़क
6.	(भाषा)	भारत	नगर	पर्वत
7.	हिंदी	गुजराती	अंग्रेजी	(अमेरिका)
8.	(मैना)	तोता	मोर	कबूतर
9.	शेरनी	(भालू)	बाघिन	हथिनी
10.	आम	(लीची)	केला	सेब

प्रश्न 3. चित्र में दिए गए शब्दों को उनके नाम के अनुसार लिखिए |

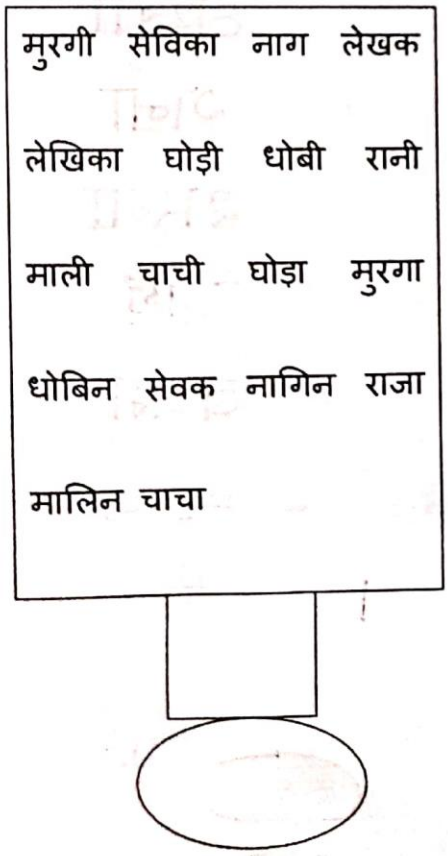

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
मुरगा	मुरगी
सेवक	सेविका
लेखक	लेखिका
घोड़ा	घोड़ी
राजा	रानी
धोबी	धोबिन
नाग	नागिन
माली	मालिन
चाचा	चाची

विलोम शब्द

परिभाषा - उलटा अर्थ बताने वाले शब्दों को विलोम या विपरीतार्थक शब्द कहते हैं |

प्रश्न 1. नीचे दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए |

1. ऊपर X नीचे
2. नया X पुराना
3. ऊँचा X नीचा
4. सूखा X गीला
5. अच्छा X बुरा
6. हँसना X रोना
7. अंदर X बाहर
8. सुबह X शाम
9. निकट X दूर
10. निडर X डरपोक

प्रश्न 2. रेखांकित शब्दों के विलोम शब्द लिखकर रिक्त स्थान पूरे कीजिए |

1. आसमान में <u>एक</u> चाँद और अनेक तारे होते हैं |
2. सूर्य पूरब से निकलता है और <u>पश्चिम</u> में छिपता है |
3. कार्य कभी <u>आधा</u> नहीं बल्कि पूरा करना चाहिए |
4. परीक्षा में सभी <u>प्रश्न</u> आसान थे इसलिए मैंने जल्दी ही उत्तर लिख लिए |
5. कृष्ण का रंग <u>काला</u> और राधा का गोरा है |
6. मेरे पास ज्यादा खिलौने है जबकि रोहन के पास <u>कम</u> है |
7. कमरे में <u>बदबू</u> हटाने के लिए मैंने खुशबू वाला इत्र डाला |
8. बरगद <u>बड़ा</u> होता है और तुलसी छोटी होती है |
9. मेरी कक्षा में 33 छात्र <u>उपस्थित</u> थे और 2 छात्र अनुपस्थित थे |
10. भाषा के <u>लिखित</u> और मौखिक दो रूप होते हैं |

गद्यांश

प्रश्न 1. नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

भारत में समय - समय पर छह ऋतुएँ आती हैं | हर ऋतु का अपना एक अलग ही महत्तव होता है | बच्चों को अक्सर वर्षा ऋतु में अधिक आनंद आता है | वर्षा में भीगने का अलग ही मज़ा होता है | चारों तरफ़ हरियाली छा जाती है | मिट्टी की भीनी - भीनी खुशबू मन को लुभाती है | बच्चे - बूढ़े सभी में खुशी की एक लहर दौड़ने लगती है | बच्चों को सबसे ज्यादा खुशी तो पानी में कागज़ की नाव तैराने में ही मिलती है | जगह - जगह पानी भर जाता है | भरे हुए पानी में मच्छर पनपने लगते हैं | इस प्रकार मज़े के साथ - साथ वर्षा का मौसम बीमारियाँ भी लेकर आता है | हमें उचित बचाव रखते हुए वर्षा का आनंद लेना चाहिए |

1. भारत में कितनी ऋतुएँ आती हैं ?

भारत में छह ऋतुएँ आती हैं।

2. बच्चों को कौन-सी ऋतु पसंद होती है ?

बच्चों को वर्षा ऋतु अधिक पसंद होती है।

3. वर्षा आने के बाद कैसा वातावरण होता है ?

वर्षा आने के बाद चारों तरफ हरियाली छा जाती है और मिट्टी की भीनी-भीनी खुशबू मन को लुभाती है।

4. बच्चों को क्या करने में खुशी मिलती है ?

बच्चो को पानी में कागज की नाव तैराने में खुशी मिलती है।

5. हमें वर्षा के मौसम में किस प्रकार आनंद लेना चाहिए ?

हमें वर्षा के मौसम में उचित बचाव रखते हुए वर्षा का आनंद लेना चाहिए।

6. वर्षा ऋतु अपने साथ और क्या लेकर आती है ?

वर्षा ऋतु अपने साथ-साथ बीमारियाँ भी लेकर आती है।

7. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

गद्यांश का उचित शीर्षक 'वर्षा ऋतु' है।

8. वचन बदलकर लिखिए।

1. बीमारियाँ बीमारी 2. नाव नावकाए

9. गद्यांश में से कोई दो संज्ञा शब्द छाँटकर लिखिए।

1. भारत 2. बच्चें

10. आप वर्षा के मौसम में बीमारियों से बचने के लिए क्या करेंगे ?

वर्षा के मौसम में बीमारियों से बचने के लिए हमें अपने घरों के आस-पास सफाई रखेगें।

पद्यांश

प्रश्न 1. नीचे दिए गए पद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

नाव बनाओ नाव बनाओ, भैया मेरे जल्दी आओ |

वह देखो, पानी आया है घिर-घिर कर बादल छाया है,

सात समुन्दर भर लाया है तुम रस का सागर भर लाओ,

भैया मेरे जल्दी आओ | पानी सचमुच खूब पड़ेगा,

लंबी चौड़ी गली भरेगा,लाकर घर में नदी भरेगा

ऐसे में तुम भी लहराओ, भैया मेरे जल्दी आओ |

1. बालक किसको पुकार रहा है?

बालक अपने भैया को पुकार रहा है।

2. बालक अपने भाई को किसलिए बुला रहा है ?

बालक अपने भाई को नाव बनवाने के लिए बुला रहा है।

3. घिर-घिर कर क्या छाया है ?

घिर-घिर कर बादल छाया है।

4. बादल क्या भर लाया ?

बादल सात समुन्दर भर लाया है।

5. खूब क्या पड़ेगा ?

पानी सचमुच खूब पड़ेगा।

6. पानी लंबी - चौड़ी क्या भर देगा ?

पानी लंबी-चौड़ी गली भर देगा।

7. दिए गए शब्दों के समानार्थी पद्यांश में से ढूँढ़कर लिखिए।

1. नौका नाव

2. भाई भैया

राष्ट्रीय प्रतीक

प्रश्न1. राष्ट्रीय प्रतीकों के नाम लिखकर रिक्त स्थान पूरे कीजिए।

1. राष्ट्रीय ध्वज — तिरंगा
2. राष्ट्रीय फूल — कमल
3. राष्ट्रीय पशु — बाघ
4. राष्ट्रीय पक्षी — मोर
5. राष्ट्रीय खेल — हॉकी
6. राष्ट्रीय फल — आम
7. राष्ट्रीय चिन्ह — अशोक स्तंभ
8. राष्ट्रीय गान — जन-गण-मन
9. राष्ट्रीय गीत — वन्दे मातरम
10. राष्ट्रीय वृक्ष — बरगद
11. राष्ट्रीय मुद्रा — रुपया
12. राष्ट्रीय नदी — गंगा
13. भारत की राजभाषा — हिन्दी
14. भारत के वर्तमान राष्ट्रपति — श्री रामनाथ कोविन्द
15. भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री — श्री नरेंद्र मोदी

❖ अब हम अपनी पाठ्यपुस्तक के अभ्यास को प्रारंभ करेंगे।
❖ निम्नलिखित कविता का वाचन करें ।

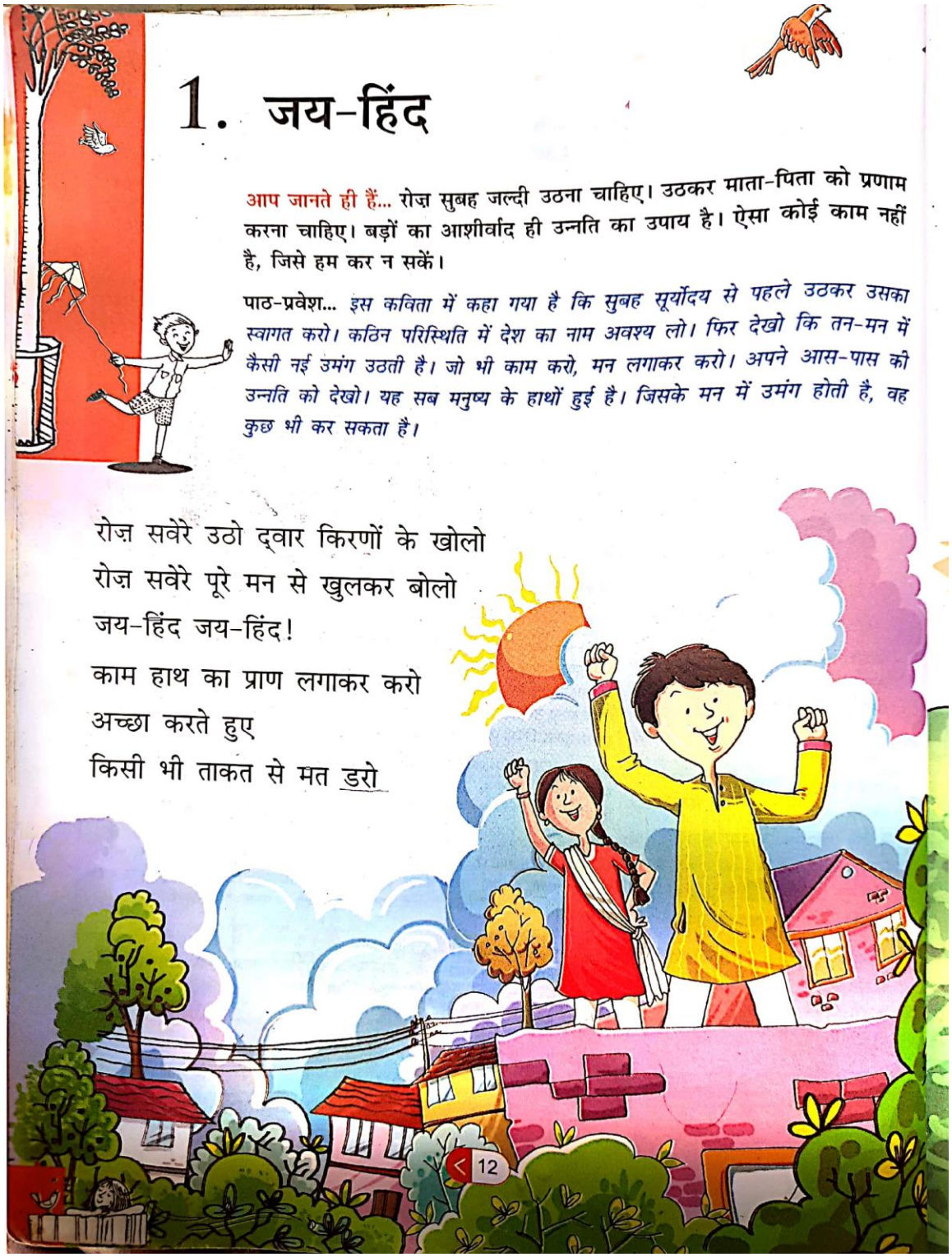

1. जय-हिंद

आप जानते ही हैं... रोज़ सुबह जल्दी उठना चाहिए। उठकर माता-पिता को प्रणाम करना चाहिए। बड़ों का आशीर्वाद ही उन्नति का उपाय है। ऐसा कोई काम नहीं है, जिसे हम कर न सकें।

पाठ-प्रवेश... *इस कविता में कहा गया है कि सुबह सूर्योदय से पहले उठकर उसका स्वागत करो। कठिन परिस्थिति में देश का नाम अवश्य लो। फिर देखो कि तन-मन में कैसी नई उमंग उठती है। जो भी काम करो, मन लगाकर करो। अपने आस-पास की उन्नति को देखो। यह सब मनुष्य के हाथों हुई है। जिसके मन में उमंग होती है, वह कुछ भी कर सकता है।*

रोज़ सवेरे उठो द्वार किरणों के खोलो
रोज़ सवेरे पूरे मन से खुलकर बोलो
जय-हिंद जय-हिंद!
काम हाथ का प्राण लगाकर करो
अच्छा करते हुए
किसी भी ताकत से मत डरो

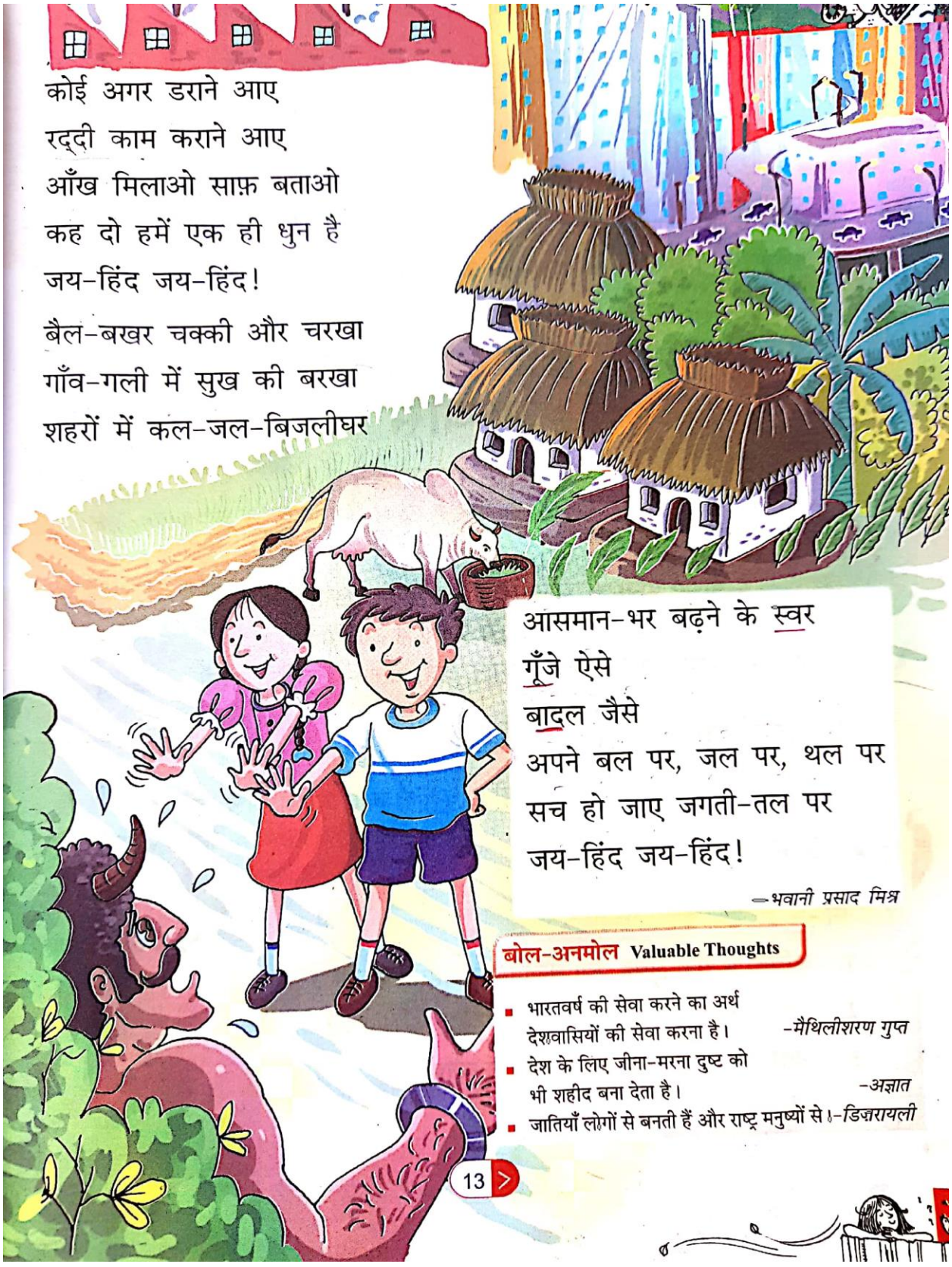

कोई अगर डराने आए
रद्दी काम कराने आए
आँख मिलाओ साफ़ बताओ
कह दो हमें एक ही धुन है
जय-हिंद जय-हिंद!

बैल-बखर चक्की और चरखा
गाँव-गली में सुख की बरखा
शहरों में कल-जल-बिजलीघर
आसमान-भर बढ़ने के स्वर
गूँजे ऐसे
बादल जैसे
अपने बल पर, जल पर, थल पर
सच हो जाए जगती-तल पर
जय-हिंद जय-हिंद!

—भवानी प्रसाद मिश्र

बोल-अनमोल Valuable Thoughts

- भारतवर्ष की सेवा करने का अर्थ देशवासियों की सेवा करना है। *-मैथिलीशरण गुप्त*
- देश के लिए जीना-मरना दुष्ट को भी शहीद बना देता है। *-अज्ञात*
- जातियाँ लोगों से बनती हैं और राष्ट्र मनुष्यों से। *-डिज़रायली*

कविता : 1

गृह कार्य

जय हिंद

[दिए गए अभ्यास को अपनी कॉपी (नोटबुक) में सुंदर अक्षरों के साथ लिखें।]

❖ कठिन शब्द

1. द्वार
2. सवेरे
3. जय-हिंद
4. प्राण
5. रददी
6. आँख
7. धुन
8. चरखा
9. बरखा
10. चक्की
11. बखर
12. आसमान
13. गूंजे
14. बिजलीघर

❖ कविता के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

प्र.1 कविता में रोज सुबह क्या बोलने को कहा हैं ?

उ. कविता में रोज सुबह ' जय-हिंद ' बोलने को खा है ।

प्र.2 हाथ के काम को कैसे करना चाहिए ?

उ. हमें हाथ के काम को मन लगाकर करना चाहिए ।

प्र.3 अगर हमें कोई डराने आए तो क्या करना चाहिए ?

उ. अगर हमें कोई डराने आए तो निडर होकर हमें उसका सामना करना चाहिए ।

❖ निम्नलिखित पाठ का वाचन करे ।

2. ज्ञान-मार्ग

आप जानते ही हैं... प्राचीन समय में भारत में गुरुकुल प्रथा थी। गुरुकुल में रहकर पढ़ाई पूरी करनी होती थी। वहाँ शिष्यों को सभी तरह की शिक्षा दी जाती थी। गुरु जी शिष्यों की रुचि और क्षमता के अनुसार उन्हें ज्ञान देते थे। शिक्षा पूरी होनेपर ही शिष्य को घर लौटने की अनुमति दी जाती थी।

पाठ-प्रवेश... *एक गुरुकुल से तीन शिष्य विदा हुए। अभी वे रास्ते में ही थे कि उनमें इस बात को लेकर बहस छिड़ गई कि तीनों में से सबसे अधिक ज्ञानी कौन है! अपने-अपने ज्ञान की परीक्षा करने के लिए उन्होंने एक ऐसा निराला कारनामा कर दिखाया कि उनकी जान पर ही आ बनी। ठीक तभी उनके गुरु जी ने वहाँ पहुँचकर उन्हें कैसे बचाया, आइए इस पाठ को पढ़कर जानते हैं।*

पात्र : पुरातन, अभिनव, संस्कार, गुरु जी, शेर, बकरी

(तीन राजकुमार गुरुकुल में अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद घर लौट रहे हैं। तीनों घने जंगल से गुज़र रहे हैं।)

पुरातन : हम तीनों इस बात पर गर्व कर सकते हैं कि हमने ज्ञान प्राप्त कर लिया है।

अभिनव : संसार में कितने कम लोगों को यह सौभाग्य प्राप्त होता है।

संस्कार : पर हम सबका ज्ञान बराबर नहीं है।

पुरातन : क्या मतलब है तुम्हारा?

संस्कार : मेरा ज्ञान तुम दोनों के ज्ञान से अधिक है।

पुरातन : कैसी मूर्खतावाली बातें कर रहे हो। मैं तुम दोनों से बड़ा हूँ। मेरे ही पास ज़्यादा ज्ञान है।

अभिनव : मैं तो गुरुकुल आने से पहले भी पढ़ता था। मेरा ज्ञान तुम दोनों से ज़्यादा है।

पुरातन : यही बात है, तो चलो परीक्षा हो जाए!

संस्कार : तो अभिनव, सबसे पहले तुम अपने ज्ञान का परिचय दो!

अभिनव : ज्ञान का परिचय ज्ञानी को दिया जाता है, मूर्खों को नहीं।

संस्कार : तुम मेरा अपमान कर रहे हो!

पुरातन : अपने ज्ञान का परिचय दो, नहीं तो हम तुमको दंड देंगे!

(अभिनव इधर-उधर देखता है। उसे किसी जानवर की हड्डियाँ पड़ी दिखाई देती हैं।)

अभिनव : ये हड्डियाँ देख रहे हो?

पुरातन : हाँ।

अभिनव : मैं अपने ज्ञान से बता सकता हूँ कि ये हड्डियाँ शेर की हैं।

संस्कार : बस, यह तो बहुत मामूली बात है। मैं तो अपने ज्ञान से इन हड्डियों पर माँस, उनमें रक्त और उसके ऊपर खाल मढ़ सकता हूँ। तो मैं मंत्र पढ़ता हूँ।

(संस्कार मंत्र पढ़ता है और शेर की हड्डियों पर माँस, उनमें रक्त और उसके ऊपर खाल आ जाती है।)

पुरातन : अरे हाँ... यह तो हो गया!

संस्कार : मूर्खो... अब तो तुम समझे... मैं तुम सबसे बड़ा विद्वान हूँ!

पुरातन : लेकिन, क्या तुम इसमें प्राण भी डाल सकते हो?

संस्कार : नहीं... पर यह तो तुम भी नहीं कर सकते।

पुरातन : मैं इसमें प्राण भी डाल सकता हूँ।

अभिनव : पर ऐसा मत करना।

पुरातन : क्यों?

अभिनव : उसके बाद शेर हमें खा जाएगा।

पुरातन : पर मुझे तो सिद्ध करना है कि मैं तुम दोनों से अधिक ज्ञानी हूँ।

अभिनव : नहीं, नहीं... शेर हमें खा जाएगा।

(पुरातन मंत्र पढ़ता है और शेर जीवित हो जाता है। शेर दहाड़कर उनकी तरफ़ बढ़ता है। वे बचने की कोशिश करते हैं।)

अभिनव : अब हम बच नहीं सकते।

संस्कार : शेर हमें खा ही जाएगा।

अभिनव : अरे, वह देखो, वह कौन आ रहा है?

संस्कार : अरे, वे तो गुरु जी हैं!

(गुरु जी पास आ जाते हैं)

अभिनव : गुरु जी, हम लोग संकट में पड़ गए हैं।

गुरु जी : मैं जानता हूँ...

पुरातन : गुरु जी, हमारी जान बचाइए।

गुरु जी : मुझे मालूम था कि तुम लोगों के अंदर अभी अहंकार बहुत है और तुम अपने ज्ञान से अपना नुकसान भी कर सकते हो। इसलिए मैं तुम लोगों के पीछे-पीछे आ रहा था।

पुरातन : गुरु जी, मुझसे बड़ी गलती हो गई है... शेर हम सबको खा जाएगा।

गुरु जी : घबराओ नहीं, मैं अपने ज्ञान से इस शेर को बकरी बना दूँगा।

(गुरु मंत्र पढ़ते हैं। शेर बकरी बन जाता है और मिमियाता है।)

गुरु जी : शिष्यो, ध्यान रहे, वह ज्ञान जिससे अपनी या दूसरों की हानि हो, ज्ञान नहीं बल्कि अज्ञान है। ज्ञान तो सबकी भलाई के लिए ही होता है।

तीनों : *(एक साथ कई बार कहते हैं)* ज्ञान तो सबकी भलाई के लिए ही होता है।

—असगर वजाहत

बोल-अनमोल Valuable Thoughts

- भक्ति और कर्म तब तक पूर्ण व टिकाऊ नहीं होते जब तक वे ज्ञान पर आधारित न हों। *-अरविंद*
- ज्ञान वह पथ है जिससे हम स्वर्ग की ओर उड़ते हैं। *-शेक्सपियर*
- ज्ञान में पग-पग वृद्धि होती है, छलाँगों से नहीं। *-बैरन मैकाले*
- चिंतन-रहित ज्ञान निरर्थक है और ज्ञान-रहित चिंतन खतरनाक। *-कन्फ़्यूशियस*
- ज्ञानदान सभी दानों से बढ़कर है। *-मनुस्मृति*

❖ पाठ : 2 गृह कार्य

ज्ञान मार्ग

[दिए गए अभ्यास को अपनी कॉपी (नोटबुक) में सुंदर अक्षरों के साथ लिखें।]

❖ कठिन शब्द

1. गुरुकुल
2. संस्कार
3. गर्व
4. संसार
5. सौभाग्य
6. मूर्ख
7. ज्ञानी
8. परीक्षा
9. परिचय
10. हड्डियाँ
11. मामूली
12. सिदध
13. मंत्र
14. विद्वान
15. दंड
16. शिष्य

❖ पाठ के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

प्र.1 अधिक ज्ञान को जाँचने के लिए क्या किया गया ?

उ. अधिक ज्ञान को जाँचने के लिए उन्होंने रास्ते में मिली हड्डियों पर प्रयोग किया ।

प्र.2 संस्कार ने अपना ज्ञान कैसे दिखाया ?

उ. संस्कार ने हड्डियों पर मांस, रक्त और खाल चढ़ाकर अपना ज्ञान दिखाया ।

प्र.3 पुरातन ने अपनी महानता कैसे दिखाई ?

उ. मृत शेर में जान डालकर, पुरातन ने अपनी महानता दिखाई ।

प्र.4 शेर को किसने जीवित किया और क्यों ?

उ. शेर को पुरातन ने जीवित किया क्योंकि वह अपनी ज्ञान दिखाना चाहता था ।

प्र.5 गुरूजी ने अज्ञान की क्या परिभाषा दी ?

उ. गुरूजी के अनुसार – वह ज्ञान जिससे दूसरों का अहित हो, वह ज्ञान नहीं बल्कि अज्ञान है ।